



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (प्रसाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, मंगलवार, 5 जून, 2007/15 ज्येष्ठ, 1929

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय भू-व्यवस्था अधिकारी, शिमला मण्डल, शिमला-171009

विज्ञापन बाबत तजवीज बाबत नगर पंचायत राजगढ़, तहसील राजगढ़, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश

1. नगर पंचायत राजगढ़, तहसील राजगढ़, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश में नवीन भू-राजस्व कायम किया जाना है। हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1954 की धारा 54 (3) के प्रावधानानुसार कूट रकबा पर साबिक भू-व्यवस्था में निर्धारित भू-राजस्व आपात दर (33 प्रतिशत) एक तिहाई से अधिक की वृद्धि नहीं की गई।

2. साबिक बंदोबस्त में भूमि की कोई किस्म बागीचा नहीं थी, इस लिए इस पर नवीन भू-राजस्व कायम करते समय हाल ही में सम्पन्न हुए बंदोबस्त नगरपालिका परिषद् नालागढ़ व नगर पंचायत मुन्नी में कायम किए गए भू-राजस्व दर को ध्यान में रखा गया है।

3. रकबा मजहूरा पर नवीन भू-राजस्व निर्धारण से पूर्व हाल बंदोबस्त में अन्य नगर पंचायतों में निर्धारित की गई दरों को व हाल बंदोबस्त में नगर पंचायत राजगढ़ के लिए जो भाव अजनास व तखमीना पैदावार अधि-सूचित हुए हैं, को भी ध्यान में रखा गया उनकी अधिसूचना इस कार्यालय के पत्र संख्या रं० (एस० टी०) एम० एम० एल०/ए०-राज०-6/2006-733-40, दिनांक 28-03-2006 पत्र संख्या रं० (एस० टी०) एस० एम० एल०/ए०-राज०-6/2006-724-32, दिनांक 28-03-2006 द्वारा ग्राम जनता नगर पंचायत राजगढ़

की सूचना हेतु जारी की गई थी, जिसमें उनसे एतराज व मुझाव आदि आमंत्रित किए गए थे, परन्तु विहित अवधि काफ़ी समय पहले व्यतीत हो चुकी है इस बार किसी से भी कोई एतराज या मुझाव नहीं हुए हैं।

उक्त वर्णित नियम की पालना में कूट रकबा पर निम्न प्रकार से भू-राजस्व कायम करने की प्रस्तावना है :-

रकबा वग मीटरों में भू-राजस्व दर रुपयों में :

क्रमांक	किस्म भूमि	रकबा	भू-राजस्व दर प्रति सौ वर्ग मीटर	भू-राजस्व राशि
1	बारानी अक्वल	199694-40	0.35	698.93
2	बारानी दोयम	11411-49	0.25	28.53
जोड़ ..		211105-89	—	727.46

रकबा बागीचा पर भू-राजस्व मांग व दर :

रकबा बागीचा पर नवीन भू-राजस्व कायम करने से पूर्व नगरपालिका परिषद् नालागढ़ व नगर पंचायत मुन्नी रखा जाना उचित है, जो निम्न प्रकार से है :—

क्रमांक	नाम शहर	किस्म भूमि	भू-राजस्व दर प्रति सौ वर्ग मीटर रुपयों में
1.	नालागढ़	1. बागीचा कुहली फलदार	0.40
		2. बागीचा चाही फलदार	0.35
		3. बागीचा बारानी फलदार	0.25
2.	मुन्नी	1. बागीचा कुहल अक्वल फलदार	0.38
		2. बागीचा बाखल अक्वल फलदार	0.20

4. उपरोक्त तुलनात्मक सारणी के अनुसार नगर पंचायत राजगढ़ के रकबा बागीचा पर नवीन भू-राजस्व दरें निम्न प्रकार से कायम करने की प्रस्तावना है :—

क्रमांक	किस्म भूमि	रकबा	दर	भू-राजस्व राशि रुपयों में
1.	बागीचा कुलाहू फलदार	2683-60	0.35	10.20
2.	बागीचा बारानी फलदार	443212-54	0.25	1108.03
जोड़ ..		445896-14	—	1118.23

5. अतः नगर पंचायत राजगढ़ के लिए कृष्ट रकबा पर $727.46 + 1118.23 = 1,845.69$ रुपए नवीन भू-राजस्व कायम करने की प्रस्तावना है।

6. अकृष्ट रकबा बंजर व घासनी पर प्रस्तावित नवीन भू-राजस्व मांग व दरें :

क्रमांक	किस्म आराजी	रकबा	दर	राशि
1.	बंजर कदीम	97548-24	0.03	292.64
2.	घासनी	408796-09	0.02	81.76
कुल ..				374.40

7. इसके अतिरिक्त नगर पंचायत राजगढ़ में हाल बंदोबस्त में भवनों के नीचे आई भूमि व जाए मफेद रकबा पर प्रस्तावित भू-राजस्व मांग व दरें कायम करने की नगर पंचायत मुन्नी, नगरपालिका परिषद् रामपुर व नालागढ़ की दरों का ता अध्ययन किया गया, जिसका संक्षिप्त व्यौरा निम्न प्रकार से है :—

क्रमांक	ब्लाक श्रेणी	किस्म भवन/ईमारत भूमि	नगर पंचायत मुन्नी	नगरपालिका परिषद् नालागढ़ (प्रस्तावित)
1.	प्रथम	1. मकान	15.00	16.00
		2. दुकान	16.00	—
		3. मकान व दुकान	15.00	23.00
		4. होटल	20.00	24.00
		5. मशीन व उद्योग	22.00	—
2.	द्वितीय	1. मकान	13.00	15.00
		2. दुकान	15.00	16.00
3.	तृतीय	1. मकान	12.00	14.00
		2. दुकान	—	15.00
		3. उद्योग	—	22.00

8. उक्त तुलनात्मक गणना अनुमानित औसत शुद्ध किराए के मूल्य और औसत बाजारी मूल्य की गणना तथा हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1954 को ध्यान में रखते हुए नगर पंचायत राजगढ़ के लिए निम्न

प्रकार से नवीन भू-राजस्व दरें व मांग प्रस्तावित हैं :—

क्रमांक	ब्लाक/श्रेणी	नाम महाल	किस्म भवन	रकबा	दर प्रति सौ वर्ग मीटर	भू-राजस्व राशि (रुपयों में)
1.	प्रथम	राजगढ़	1. मकानात	17603-24	14.00	2,464.42
		प्रथम व	2. दुकानात	2187-48	15.00	328.05
		द्वितीय	3. मकानात व दुकानात	2984-97	15.00	447.75
			4. होटल/ रेस्टोरेंट	157-25	20.00	31.40
			5. पेट्रोल पम्प	45-90	20.00	9.20
			6. उद्योग	251-18	16.00	40.16
2.	द्वितीय	राजगढ़	1. मकानात	3567-88	13.00	463.84
		द्वितीय	2. मकानात व दुकानात	190-01	13.00	24.70
3.	तृतीय	राजगढ़	1. मकानात	10402-14	12.00	1,248.24
		प्रथम व	2. दुकानात	7-00	11.00	0.77
		द्वितीय	3. मकानात व दुकानात	200-05	10.00	20.00
			4. उद्योग	845-21	15.00	126.75
कुल						5,211.16

9. नगर पंचायत राजगढ़ में हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व अधिनियम, 1954 की धारा 51 के अर्थात्-नुसार औसत बाजारी मूल्य की गणना की गई, जो श्रेणीवार निम्न प्रकार से है :—

श्रेणी	औसत बाजारी मूल्य का 1%
प्रथम	39.97
द्वितीय	3.91

उक्त गणना के उपरान्त नगर पंचायत राजगढ़ में जाए संपेद और निर्जी मलकीयत मालकान के भवनों के साथ खाली पड़ी भूमि संहन आदि पर नवीन भू-राजस्व दरें कायम करने से पूर्व हाल ही में सम्पन्न हुए बन्दोबस्त नगर पंचायत मुन्नी को स्वीकृत व नगरपालिका परिषद् नालागढ़ के लिए प्रस्तावित दरों का भी अध्ययन किया गया जो निम्न प्रकार से है :—

क्रमांक	नाम शहर	ब्लाक/श्रेणी	दर
1	2	3	4
1.	नालागढ़	1. प्रथम	8.00
		2. द्वितीय	7.00
		3. तृतीय	6.00

1	2	3	4
2.	मुन्नी	1. प्रथम	7.00
		2. द्वितीय	6.00
		3. तृतीय	5.00

उक्त वर्णित शहरों में जो दरें श्रेणीवार कायम हुई हैं इसके आधारे पर ही नगर पंचायत राजगढ़ के लिए निम्न दरें कायम करने की प्रस्तावना है :—

(रकबा वर्ग मीटरों में व दर व राशि रुपयों में)

नाम महाल	ब्लाक/श्रेणी	रकबा	दर	राशि
राजगढ़ प्रथम व द्वितीय	1. प्रथम	31714-16	7.00	2,219.98
	2. द्वितीय	2960-96	6.00	177.65
	3. तृतीय	14468-73	5.00	723.45
	कुल			3,121.08

10. नगर पंचायत राजगढ़ में रकबा सैहत पर भी उक्त प्रस्तावित दरें कायम करने की प्रस्तावना की जाती है जो श्रेणीवार निम्न प्रकार से है :—

(रकबा वर्ग मीटरों में व दर व राशि रुपयों में)

नाम महाल	ब्लाक/श्रेणी	रकबा	दर	राशि
राजगढ़ प्रथम व द्वितीय	1. प्रथम	9114-66	7.00	638.03
	2. द्वितीय	2050-25	6.00	123.02
	3. तृतीय	7550-38	5.00	377.51
	कुल			1,138.56

11. अतः नगर पंचायत राजगढ़ के अकूट $374.40 + 5,211.16 + 3,121.08 + 1,138.56 = 9,845.20$ रुपए नवीन भू-राजस्व मांग प्रस्तावित है। इसमें ऐसे रकबाजात पर लगाया गया भू-राजस्व भी शामिल है जो सरकार या मुआफी है, ऐसे रकबाजात पर लगाया गया भू-राजस्व न काबिले वसूल रहेगा।

अतः नगर पंचायत राजगढ़ के लिए नवीन भू-राजस्व की तजवीज पैरा 1 ता 9 कुल $1,845.69 + 9,845.20 = 11,690.89$ रुपए नवीन भू-राजस्व कायम करने की प्रस्तावना है।

नगर पंचायत राजगढ़ के लिए उपरोक्त तजवीज 11,690.89 रुपए भू-राजस्व में उन रकबाजात का भू-राजस्व भी शामिल है जो मलकीयत सरकार काबिले तशखीश या मुआफी है, ऐसे रकबाजात पर लगाया गया भू-राजस्व न काबिले वसूल रहेगा।

अधिसूचना संख्या : 2-10/71 पंच 0 दिनांक 21 दिसम्बर, 1973 तथा अन्य स्पष्टीकरण जो निदेशक पंचायती राज के पत्र नम्बर शून्य दिनांक 27-03-1974 के अर्थानुसार शहरी क्षेत्रों में केवल 20 प्रतिशत शुल्क के अतिरिक्त कोई अन्य शुल्क मान्य नहीं। अतः नगर पंचायत राजगढ़ के लिए भू-राजस्व की तजवीज पर उक्त प्रावधानानुसार 2,338.18 रुपए शुल्क लम्बरदारी (पंजोतरा) भू-राजस्व की वसूली के ईज्ज में लम्बरदार को देय होगा।

अतः हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व (विशेष) निर्धारण नियम, 1986 के नियम 15(2) के अर्थानुसार उक्त विज्ञापन जारी करके नगर पंचायत राजगढ़ के भू-राजस्व अभिदाताओं को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भू-राजस्व अभिदाताओं को उक्त तजवीज बारे कोई आपत्ति हो या सुझाव देना हो तो वह इस विज्ञापन की प्रतिलिपि के दो माम के अन्दर-अन्दर लिखित रूप में इस कार्यालय को प्रेषित करें।

दिनांक : 20 अप्रैल 2007.

हस्ताक्षरित/-
भू-व्यवस्था अधिकारी,
शिमला मण्डल, ब्लाक नम्बर 39,
कम्प्यूटरी, शिमला-171009

कार्यालय भू-व्यवस्था अधिकारी, शिमला मण्डल, शिमला-171009

अधिसूचना बाबत तजवीज अकसाम अराजी

नगर पंचायत चौपाल, तहसील चौपाल, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश का कार्य भू-व्यवस्था विशेष पुनरावृत्ति भू-अभिलेख आरम्भ हो चुका है। हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व साधारण निर्धारण नियम, 1984 के नियम 4 और हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व विशेष निर्धारण नियम, 1986, के नियम 4 के अन्तर्गत बन्दोबस्त हाल में जो अकसाम अराजी प्रयुक्त की जानी हैं, उनका परिभाषा सहित विस्तृत वर्णन निम्न प्रकार से है :—

कृषि

1. बाखल अब्बल : वह भूमि जिनमें साल में दो फसलें काशत होती हैं आबादी के नजदीक हो तथा वर्षा पर निर्भर हों।
2. बाखल दोयम : वह भूमि जिनमें साल में दो या दो साल में तीन फसलें काशत होती हैं आबादी से दूरी पर हो तथा वर्षा पर निर्भर हों।
3. बागीचा बाखल अब्बल फलदार : वह भूमि जिसमें द्रव्खतान सेब, पलम, नाख, खुमानी, आड़ू आदि के लगाए गए हों और वर्षा पर निर्भर हों।

अकृषि

1. बंजर जमीन : वह भूमि जो कभी काशत थी, परन्तु लगातार दो वर्ष से बिला काशत रही हों तथा चार वर्ष से अधिक बिला काशत न रही हों।
2. बंजर कदीम : वह भूमि जो पहले काशत थी परन्तु चार वर्ष से अधिक काशत न रही हों।
3. धामनी : जमींदारान का वह रकबा मलकीयती जो घास के लिए रखा हो तथा मौसम बरसात में घास कटाई तक पशुओं को चराई के लिए इस्तेमाल न किया जाता हो।
4. जाण, सफेद : व्यक्तिगत या संयुक्त मलकीयत की ऐसी भूमि जो मकान के साथ या दूसरी जगह खाली पड़ी हो।
5. जाण, सरकार : सरकारी मलकीयत की ऐसी उसर भूमि जो खाली पड़ी हो और जिसमें वृक्ष आदि कोई इस्तादा न हों और न ही चरान्द आदि में प्रयोग में लाई जाती हों।

6. चरागाह द्रष्टानः वह मलकीयन सरकार का रकबा जिसमें द्रष्टान ईम्ता हो और जमींदागन के हक्क घास कटाई व चराई के हों।
7. चरागाह विला द्रष्टानः वह मलकीयन सरकार का रकबा जिसमें द्रष्टान न पाए जाने हों और बर्तनदागन के हक्क घास कटाई व चराई के हों।
8. गैर मुमकिन मशीन आर्षा, आटा पिमाई : बिजली या डीजल से चलने वाली मशीनें आटा पिमाई, धानकुटी, कोहलू, आरा, रुई या ऊन पिजाई, धानकुटी या लकड़ी चिगाई इत्यादि।
9. गैर मुमकिन टावर ट्रांसफार्मर : वह भूमि जिसमें बिजली, दूरदर्शन, मोबाईल आदि के संचालन की सुविधा हेतु ट्रांसफार्मर व टावर लगे हों।
10. गैर मुमकिन हवा-घर : ऐसी भूमि जहां पर लोगों को बैठने को स्थान बना हों।
11. गैर मुमकिन न्याय-लय पुलिस थाना : ऐसी भूमि जिसमें सरकारी इमारतें बनी हों जो सरकारी कार्यालय के प्रयोग में लाई जानी हों।
12. गैर मुमकिन मकान पक्का : वह इमारत जिसकी एक से अधिक मंजिलें हो जो कंकर-पत्थर या पुख्ता ईंटों से तैयार की हो।
13. गैर मुमकिन मकान कच्चा : ऐसी भूमि में बनी इमारत जिसकी एक से अधिक मंजिलें हो कंकर-पत्थर या पुख्ता ईंटों से तैयार न की हो।
14. गैर मुमकिन रसोईघर : ऐसी भूमि जिस पर कच्ची या पक्की एक/बहुमंजिला मकान बना हो जिसका प्रयोग रसोईघर के तौर पर किया जाता हो।
15. गैर मुमकिन शौचालय : ऐसी भूमि जिस पर कच्चा या पक्का भवन बना हो जो शौचालय के तौर पर प्रयोग किया जाता हो।
16. गैर मुमकिन स्नानगृह : ऐसी भूमि जिस पर कच्चा या पक्का एक/बहुमंजिला भवन बना हो तथा स्नानगृह के तौर पर प्रयोग किया जाता हो।
17. गैर मुमकिन गौशाला : ऐसी भूमि जिस पर कच्चा या पक्का भवन बना हो, जो पशुओं को रखने के लिए प्रयोग में लाया जाता हों।
18. गैर मुमकिन गड्ढा खाद : ऐसी जगह जहां खाद के लिए गड्ढा बनाया गया हो और उसमें खाद इकट्ठी की जाती हो।
19. गैर मुमकिन सीढ़ियां : ऐसी कच्ची या पक्की सीढ़ियां जो चलने के लिए रास्ते के तौर पर बनाई गई हों।
20. गैर मुमकिन सेफटीटैंक : ऐसी भूमि जहां पर टैंक बना हो जिसमें मल-मूत्र इकट्ठा किया जाता हो।
21. गैर मुमकिन टैंक पानी : वह स्थान जहां पानी को इकट्ठा रखने के लिए टैंक बना रखा हो।
22. गैर मुमकिन गोदाम : ऐसी भूमि जिसमें कच्चा या पक्का भवन बना हो जिसमें वस्तुएं भण्डार के तौर पर रखी जाती हों।
23. गैर मुमकिन खलयाण : वह स्थान जिसमें फसल को भूसा से अलग किया जाता है।

(उक्त प्रस्तावित किस्म नम्बर 14 ता 25 यदि एक ही मलकीयन/कच्चा की एक ही जगह स्थित है तो ऐसी सूरत न किस्मवार अलग-अलग नम्बरान खसरा में पैमूद करने की आवश्यकता नहीं, अलवत्ता इन सभी किस्मों को एक ही नम्बर खसरा पर पैमूद करके उसकी किस्म हस्व सूरत मौका "गैर मुमकिन" मकान आदि दर्ज कागजात माल किया जाए।)

24. गैर मुमकिन सैहन: ऐसी भूमि जो भवन के साथ लगती हो हर समय खाली रहती हों तथा मालिक उसे निजी कार्य में प्रयोग करता हो।
25. गैर मुमकिन दुकान कच्ची: ऐसी भूमि जिस पर बने भवन जो कच्ची ईंटों से तैयार किया गया हो, जिसकी एक या बहुमंजिला हों, जिसमें लोगों की आवश्यकता की वस्तुएं बेची व खरीदी जाती हों।
26. गैर मुमकिन दुकान पक्की: ऐसी भूमि जिस पर पक्का भवन जो कंकर पत्थर या पक्की ईंटों से तैयार की गई हो, जिसकी एक या एक से अधिक मंजिलें हों जिसमें लोगों की आवश्यकता की वस्तुएं खरीदी व बेची जाती हों।
27. गैर मुमकिन मकान व दुकान: ऐसी भूमि जिस पर एक/बहु मंजिला भवन बने हों जिसे रहने दुकान के तौर पर प्रयोग किया जाता हों।
28. गैर मुमकिन गैरीज: ऐसी भूमि जिस पर बने भवन जिसमें गाड़ियां खड़ी की जाती हों।
29. गैर मुमकिन टी स्टाल: ऐसी भूमि जिस पर कच्ची या पक्की दुकान बनी हों जिसमें चाय आदि बनाई जाती है, और चाय के साथ खाने वाली वस्तुएं भी उपलब्ध की जाती हों।
30. गैर मुमकिन ढावा: ऐसी भूमि जिसमें कच्ची या पक्की दुकानें बनी हों जिसमें खाना बना कर परोसा व खिलाया जाता हो।
31. गैर मुमकिन होटल: ऐसी भूमि जिसमें एक/बहुमंजिला भवन बना हो तथा उसमें यात्रियों को खाना बना कर खिलाया जाता हो और ठहरने का भी प्रबन्ध हों।
32. गैर मुमकिन रेस्टोरेंट: वह भूमि जिसमें बने कच्चे/पक्के एक मंजिला या बहुमंजिला भवन का प्रयोग बतौर रेस्टोरेंट होता हो।
33. गैर मुमकिन खोखा: ऐसी भूमि जिस पर लकड़ी के तख्तों, चादर इत्यादि से आरजी तौर पर खोखा तैयार किया गया हो, जिसे प्रायः फल, चाय, खाना तैयार करना व रहने के तौर पर प्रयोग में लाया जाता हो।
34. गैर मुमकिन बावड़ी कुआं, तालाब, चश्मा: ऐसी भूमि जहां पानी उपलब्ध/इकट्ठा रहता हो जहां से पानी पीने व अन्य प्रयोग के लिए प्राप्त किया जाता है।
35. गैर मुमकिन हवाघर: वह भूमि जहां पर लोगों को सुबह व शाम की सैर के समय विश्राम करने को स्थान बनाया गया हो।
36. गैर मुमकिन संग्राहलय: वह भूमि जहां पर विभिन्न प्रकार की पुरतनी मुर्तियां, तस्वीर व औजार आदि रखे होते हैं।
37. गैर मुमकिन दूर-भाषघर, डाकघर, पुलिस थाना आदि: ऐसी भूमि जहां पर सरकारी कार्यालय के लिए भवन बनाए गए हों।
(इसमें सरकारी सभी कार्यालय शामिल किए जाएं जैसे दूरभाष केन्द्र, डाकघर, पुलिस थाना, नगर पंचायत, स्कूल, पटवार खाना, विद्युत विभाग, सिबाई एवं जल स्वास्थ्य इत्यादि)।
38. गैर मुमकिन वर्कशॉप: ऐसी भूमि जिसमें सरकारी या गैर सरकारी भवन बना हो जिसमें खराब गाड़ियों की मरम्मत की जाती हो।
39. गैर मुमकिन मन्दिर गीरजाघर व इदगाह: वह भूमि जिसमें बने भवन में अपने मतानुसार पूजा, प्रार्थना इत्यादि की जाती हो।
40. गैर मुमकिन धर्मशाला: वह भूमि जिसमें एक/बहु मंजिला भवन बना हो तथा उसमें यात्रियों आदि को ठहरने का प्रबन्ध हो।
41. गैर मुमकिन चिकित्सालय: वह भूमि जिसमें बने भवन में रोगियों का इलाज किया जाता है।

42. गैर मुमकिन मदान: वह भूमि जिसमें खेल कूद के लिए खाली जगह रखी गई हो।
43. गैर मुमकिन गली: ऐसी भूमि जो दो मकानों के बीच की खाली जगह पड़ी हो।
44. गैर मुमकिन नाली: ऐसी भूमि जिसमें से पानी के निकासी के लिए नाली बनाई गई हो।
45. गैर मुमकिन रास्ता/सड़क: ऐसी भूमि जहां से लोगों को चलने व सरकारी या गैर सरकारी वाहनों को चलाने के लिए रास्ता या सड़क बना रखी हों।
46. गैर मुमकिन खण्डहर: ऐसी भूमि जहां कभी भवन बनाया गया था जो बाद में किसी कारण गिर गया हो और उस पर पुनः मकान आदि न बनाया गया हो तथा पूर्व मकान के मकान प्रदि वह विद्यमान हो।
47. गैर मुमकिन सिनेमाघर: वह भूमि जिसमें बने भवन में चलचित्र का कार्यक्रम दिखाया जाता हो।
48. गैर मुमकिन पार्क: वह भूमि जिसमें मनुष्यों को घूमने बैठने के लिए स्थान बनाए गए हों।
49. गैर मुमकिन शमशान घाट/कबरी स्थान: ऐसी भूमि जहां पर मृतक के दाह संस्कार/दफनाने की रस्म अदा की जाती हो।
50. गैर मुमकिन पेट्रोल पम्प: ऐसी भूमि जहां पर पेट्रोलपम्प बना रखा हो।
51. गैर मुमकिन कवाटर: वह भूमि जिसमें सरकारी कर्मचारियों को रिहाईश के लिए भवन बना रखे हों।
52. गैर मुमकिन वर्षा शालिका: ऐसी भूमि जहां पर यात्रियों को वर्षा व बस की प्रतीक्षा के समय रुकने के लिए वर्षा शालिका बना रखी हों।
53. गैर मुमकिन उद्योग: ऐसी भूमि जिसमें किसी वस्तु के निर्माण के लिए भवन बना रखे हों।
54. गैर मुमकिन विश्रामगृह: वह भूमि जिसमें बने भवन में अधिकारियों/कर्मचारियों, जन-प्रतिनिधियों तथा यात्रियों को ठहरने व्यवस्था हो। ऐसे भवन का निर्माण सरकारी विभाग जैसे लोक निर्माण या वन विभाग आदि ने किया हो।
55. गैर मुमकिन जल-उठाऊ गृह: वह भूमि जिसमें बने भवन से मशीन द्वारा जल उठाने व वितरण की व्यवस्था हों।
56. गैर मुमकिन नाला: ऐसी भूमि जहां से पानी की निकासी हों।
57. गैर मुमकिन बस अड्डा: ऐसी भूमि जहां पर बसें आते जाते समय रुकती हों तथा वहां पर यात्रियों की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्था की गई हों।
58. गैर मुमकिन छात्रा छात्रावास: ऐसी भूमि में बने भवन जिसमें छात्र व छात्राओं के आवास हों।
59. गैर मुमकिन हण्डपम्प: ऐसी भूमि जहां पर भूमिगत तल से पानी निकाला गया हों।
60. गैर मुमकिन कूहल/नहर: ऐसी भूमि जहां से सिंचाई के लिए पानी ले जाया जाता हों।
61. गैर मुमकिन खड्ड: ऐसी भूमि जहां से भारी मात्रा में पानी बहता हो।

अतः नगर पंचायत चौपाल, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश के भू-राजस्व अभिदाताओं को हिमाचल प्रदेश भू-राजस्व (साधारण) निर्धारण नियम, 1984 के नियम 14 के अर्थानुसार यह विज्ञापन जारी करके सूचित किया जाता है कि यदि किसी महानुभाव को उक्त प्रस्तावित अकसाम आराजी बारे कोई एतराज होगा सुझाव आदि प्रेषित

2218

असाधारण राजपत्र, हिमाचल प्रदेश, 5 जून, 2007/15 ज्येष्ठ, 1929

करना हो तो इस विज्ञापन की वसूली के 30 दिनों के अन्दर-अन्दर लिखित रूप में अधीनस्थ अधिकारी के कार्यालय को प्रेषित करे, विहित अवधि व्यतीत हो जाने के बाद कोई भी उज़र/एतराज या मुद्दाव मान्य नहीं होगा।

हस्ताक्षरित/-

दिनांक 20 अप्रैल, 2007.

भू-व्यवस्था अधिकारी,
शिमला मण्डल, ब्लॉक नम्बर. 39,
एस 0 डी 0 ए 0 परिसर कसुम्पटी, शिमला-9.